

पलिशती कौन थे?

अन्य बाइबल सम्बन्धित प्रश्न

पलिशती आक्रामक, युद्ध की लालसा रखने वाले लोग थे, जिन्होंने भूमध्य सागर और यरदन नदी के मध्य की दक्षिण-पश्चिम क्षेत्र के एक भाग को अपने अधीन कर लिया था। शब्द "पलिशती" इब्रानी शब्द फिलिस्तिन से आया है, और इस नाम का यूनानी रूप, प्लाइस्तिनेई है, जिस से हमें आधुनिक नाम "पलिशती" मिला है। पलिशतियों को पहली बार पवित्रशास्त्र में जातियों की तालिका में वर्णित किया गया है, जो नूह से आने वाली सत्तर जातियों के पितृसत्तात्मक संस्थापकों की एक सूची है (उत्पत्ति 10:14)। ऐसा माना जाता है कि पलिशतियों की उत्पत्ति कप्तोरिया में हुई थी, जो क्रेते द्वीप और पूरे एजियन क्षेत्र के लिए इब्रानी नाम है (आमोस 9:7; यिर्मयाह 47:4)। अज्ञात कारणों से, वे उस क्षेत्र से गाजा के पास भूमध्यसागरीय तट पर चले गए थे। अपने समुद्री इतिहास के कारण, पलिशतियों को अक्सर "समुद्र के लोग" के साथ जोड़ा जाता है। बाइबल लिपिबद्ध करती है कि पलिशतियों का अब्राहम और इसहाक दोनों के साथ 2000 ईसा पूर्व में सम्पर्क हुआ था (उत्पत्ति 21:32, 34; 26; 1:8)।

इसहाक के साथ पलिशतियों की मुलाकात के पश्चात् (उत्पत्ति 26:18), उनका अगली बार उल्लेख निर्गमन की पुस्तक में इस्राएलियों के द्वारा लाल सागर को पार करने का कुछ समय पश्चात् मिलता है: "जब फ़िरौन ने लोगों को जाने की आज्ञा दे दी, तब यद्यपि पलिशतियों के देश में होकर जो मार्ग

जाता है, वह छोटा था; तौभी परमेश्वर यह सोच कर उनको उस मार्ग से नहीं ले गया कि कहीं ऐसा न हो कि जब ये लोग लड़ाई देखें तब पछताकर मिस्र को लौट आएँ" (निर्गमन 13:17)।

"पलिशतियों के देश में से एक मार्ग" उस पथ को सन्दर्भित करता है, जिसे बाद में वाया मैरिस से या "समुद्री मार्ग" के रूप में जाना जाता है, जो प्राचीन इस्राएल के तीन प्रमुख व्यापार मार्गों में से एक है। इस तटीय मार्ग ने नील डेल्टा को कनान और सीरिया और उससे आगे दक्षिण पश्चिम एशिया के मेसोपोटामिया क्षेत्र से जोड़ा दिया था।

पुराने नियम से यह संकेत मिलता है कि 13 वीं शताब्दी ईसा पूर्व के आसपास, शमूएल और शिमशोन के दिनों के समय, पलिशती कनान के तट से भीतर के द्वीपों की ओर चले गए थे। वहाँ, उन्होंने मुख्य रूप से पाँच नगरों: अज्जा, अशदोद, अशकलोन, गत और एक्रोन में अपनी सभ्यता का निर्माण किया (यहोशू 13:3)। ये नगर एक "राजा" या "स्वामी" के द्वारा शासित थे (इब्रानी शब्द सीरेन से, जिसे "तानाशाह" भी कहा जाता है)। इन राजाओं ने स्पष्ट रूप से समानता का गठबंधन निर्मित किया था। प्रत्येक राजा का अपने शहर के ऊपर स्वायत्तपूर्ण नियन्त्रण था, जैसे कि जब गत के राजा आकीश के साथ दाऊद ने लेन देन किया था (1 शमूएल 27:5-7), परन्तु उन्होंने राष्ट्रीय आपातकाल के समय एक साथ मिलकर कार्य किया (न्यायियों 16:5)।

आरम्भ से ही, पलिश्टी लोग या तो आपस में सहयोगी थे या परमेश्वर के लोगों के विरुद्ध घातक शत्रु के रूप में थे। उन्होंने शिमशोन (न्यायियों 13:1; 14:1), शमूएल (1 शमूएल 4:1), शाऊल (1 शमूएल 13:4), और दाऊद (1 शमूएल 17:23) के जीवन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाया।

पलिश्टियों को उनके लोहे के परिवर्तनात्मक उपयोग के लिए जाना जाता था, जो हथियारों और उपकरणों के लिए इस्राएलियों द्वारा उपयोग किए जाने वाले कांस्य से सर्वोत्तम थे। शाऊल (1050 - 1010 ईसा पूर्व) के समय तक, इस्राएलियों को अपने लोहे के हथियारों को तेज करने या मरम्मत करने के लिए पलिश्टियों के ऊपर भरोसा करने के लिए मजबूर होना पड़ता था (1 शमूएल 13:19-21)। अपनी अधिक उन्नत सेनाओं और आक्रमक सैन्य नीति के साथ, पलिश्टियों ने एक जाति के रूप में इस्राएल के विकास को लगातार विफल किया। लगभग 200 वर्षों तक, पलिश्टियों ने इस्राएलियों को परेशान और प्रताड़ित किया, वे अक्सर इस्राएल के क्षेत्र पर आक्रमण करते रहते थे। इस्राएल की सन्तान ऐसे ही पलिश्टियों की भारी सेना से नहीं निपट सकती थी। यह केवल तब जाकर समाप्त हुआ, जब शमूएल और उसके पश्चात् दाऊद परमेश्वर के मार्गदर्शन के माध्यम से पलिश्टियों को पराजित करने में सक्षम हुए (1 शमूएल 7:12-14; 2 शमूएल 5:22-25)।

पुराने नियम से यह संकेत मिलता है कि पलिश्टियों ने तीन देवताओं: अशतोरेत, दागोन, और बाल-ज़बूब की पूजा की थी - जिनमें से प्रत्येक के पास विभिन्न नगरों में मन्दिर थे (न्यायियों 16:23; 1 शमूएल 31:10; 2

राजा 1:2)। पुरातात्विक निष्कर्षों से पता चलता है कि पलिशती सैनिक अपने देवताओं की मूर्तियों को युद्ध में लेकर चला करते थे (2 शमूएल 5:21)। ऐसा आभासित होता है, कि वे अंधविश्वासी लोग भी थे, जिन्होंने इस्राएल की वाचा के सन्दूक की सामर्थ्य का सम्मान किया था (1 शमूएल 5:1-12)।

पलिशती मादक पदार्थों के उत्पादन और उनकी खपत के लिए बदनाम थे, विशेषकर दाखमद्यु को बनाने में। प्राचीन पलिशती खण्डहरों में शराब की कई भट्टियाँ और दाखकुण्ड, साथ ही असंख्य मात्रा में दाखमद्यु के कटोरे और अन्य पीने के बर्तन पाए गए हैं। शिमशोन के विवाह के भोज में, जो कि न्यायियों की पुस्तक में वर्णित किया गया है, पूरे सप्ताह तक चलने वाले शराब के सेवन के समारोहों को रखने वाली पलिशतियों की प्रथा को दर्शाया गया है; इब्रानी शब्द मिस्तेह, का अनुवाद "समारोह" न्यायियों 14:10 में किया गया है, जिसका अर्थ है "मद्यपान के भोज" से है।

इस्राएलियों ने अक्सर पलिशतियों को "खतनारहित" के रूप में सन्दर्भित किया है (न्यायियों 15:18; 1 शमूएल 14:6; 2 शमूएल 1:20), जिसका अर्थ, उस समय के ऐसे लोगों से है, जिनका परमेश्वर के साथ कोई सम्बन्ध नहीं था। वे परमेश्वर के चुने हुए लोग नहीं थे और भ्रष्टता से भरी हुई बुराई के रूप होने के कारण उनसे कठोरता से बचा जाना था।

आज, शब्द पलिशती का उपयोग एक अशुद्ध, सुस्त व्यक्ति को सन्दर्भित करने के लिए एक उपाधि के रूप में प्रयोग किया जाता है। तथापि सच्चाई तो यह है कि इतिहास में पाए जाने वाले पलिशती सीधे-साधे या अशिक्षित नहीं

थे। वे उन्नत रूप से समुद्री जानकारी रखने वाले थे, जो इस्राएल की तुलना में उनसे अपनी पीढ़ियों में कई वर्ष आगे थे।

यिर्मयाह अध्याय 47, अपवाद के साथ, पलिशतियों के बारे में बहुत कम भविष्यद्वाणियाँ पाई जाती हैं। अन्त में, पलिशतियों को कनानी संस्कृति में आत्मसात कर लिया गया था। वे अन्ततः बाइबल के वृत्तान्त और इतिहास से पूरी तरह से लुप्त हो गए, अपने अस्तित्व की गवाही देने के लिए "पलिशती" नाम को अपने पीछे छोड़ गए हैं।

स्रोत / Source: <https://www.gotquestions.org/Hindi/Hindi-Philistines.html> | English: <https://www.gotquestions.org/Philistines.html>

www.GotQuestions.org · <https://www.gotquestions.org/Hindi> · © Copyright
Got Questions Ministries · questions@gotquestions.org